1.8.1991 दैनिक पंजाब केसरी, जालंधर 7

पानीपत हैंडलूम में 3 अगस्त को सांकेतिक हड़ताल की जाएगी

पानीपत, 31 जुलाई (सोनी, अम्बरीष) सूत के भावों में अप्रत्याशित वृद्धि के विरोध में पानीपत के हैंडलूम उद्योग में 3 अगस्त को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। हड़ताल का आह्वान पानीपत हैंडलूम एवं पावरलूम एसोसिएशन ने किया है। एसोसिएशन के सह सचिव श्री सुरेश दत्त शर्मा ने बताया कि हैंडलूम उद्योग से जुड़े अन्य उद्योगों ने भी हड़ताल को समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित हड़ताल में यार्न एसोसिएशन, कम्बल निर्माता संघ, डबलर एसोसिएशन, डाइंग एसोसिएशन तथा खड्डी निर्माता संघ भी शामिल होगा।

सूत के भावों में तीस से चालीस प्रतिशत की वृद्धि के कारण हैंडलूम उद्योग की कमर टूट गई है और सैंकड़ों खड्डियां बंद पड़ी हैं। हथकरघा उत्पादकों का आरोप है कि केन्द्र सरकार ने इस मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने का प्रयास नहीं किया, जिसके कारण सूत मिल मालिक मनमानी कर रहे हैं।

परिवहन राज्य मंत्री बलवीर पाल शाह के सम्मान में हैंडलूम एवं पावरलूम एसोसिएशन द्वारा किए गए समारोह में सूत मूल्य वृद्धि का मामला उठाया गया। प्रदूषण की आड़ में हथकरघा उत्पादकों को परेशान किए जाने तथा श्रमिक कानून की जटिलताओं की ओर भी श्री शाह का ध्यान आकर्षित किया गया। एसोसिएशन ने प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने के लिए श्री अश्विनी कुमार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। यह समिति अन्य व्यापारिक संगठनों का भी सहयोग प्राप्त करेगी।

पानीपत के हथकरघा निर्यातकों ने भी नई दिल्ली में कपड़ा मंत्री अशोक गहलोत से भेंट कर सूत मूल्य वृद्धि में हस्तक्षेप की मांग की। निर्यातकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तत्काल पग नहीं उठाए तो हथकरघा उद्योग तबाह होकर रह जाएगा। सूत के भाव आसमान को छू रहे हैं, जिसके कारण निर्यातक गहरे आर्थिक संकट में फंस गए हैं।

अतः हथकरघा उत्पादकों ने सरकार से मांग की है कि यहां सूत डिपो खोल कर उन्हें सस्ती दरों पर सूत उपलब्ध कराया जाए। मूल्य वृद्धि का शिकार छोटे उत्पादक हुए हैं। खड्डियां बंद हो जाने के कारण सैंकड़ों बुन कर बेरोजगार हो गए हैं और अन्य सहायक उद्योगों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है।

बताया जाता है कि कपास न मिलने के कारण सूत मिलों ने अपना उत्पादन घटा दिया है किन्तु भाव बढ़ा कर अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया है। अक्तूबर तक कपास की नई फसल न आने के कारण उत्पादक काफी परेशान हैं, सिल्क सूत बनाने वाली चार बड़ी मिलों ने आपस में 'पूल' बना कर भाव बढ़ा दिए हैं। हथकरघा उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि इससे पूर्व सूत के भावों में ऐसी अप्रत्याशित वृद्धि कभी नहीं हुई।

पानीपत की पहचान बन चुका है हथकरघ

विनोद पांचाल

देशभर में सूत के दामों में अप्रत्याशित तेजी के कारण हैंडलूम उद्योग पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पानीपत का हैंडलूम व पावरलूम उद्योग ठप्प होने के कगार पर पहुंच गया है। सूत के धागे पर भारी तेजी ने हैंडलूम व पावर लूम उद्योग की कमरतोड़ कर रख दी है।

श्री पानीपत हैंडलूम एवं पावरलूम एसोसिएशन (रजि.) के संयुक्त सचिव सुरेशदत्त शर्मा से इस संवाददाता की भेंट के दौरान हुई बातचीत के अंश प्रस्तुत है।

प्रश्नः-शर्मा जी, इस उद्योग की स्थापना पानीपत नगर में कब हुई?

शर्माः- पानीपत में यह उद्योग सन् १९४७ के बाद ही शुरु हुआ है, 'यह उद्योग पाकिस्तान से आये लोगों के साथ वहां से आया और वर्तमान में हम सब लोगों की मेहनत के कारण इतना फला-फूला कि यह पानीपत नगर की पहचान बन गया। लोग पानीपत नगर को इस उद्योग से ही भारत का मान चैस्टर कहने लगे है।

प्रश्नः-पानीपत से कितना कपड़ा निर्यात होता है?

शर्माः- पानीपत से ३०० से ४०० करोड़ रुपये १०० प्रतिशत सूती व हैंडलूम कपड़ा निर्यात हो रहा है। यहां भारतवासियों के लिए पर्दों का कपड़ा व चादर बनायी जाती है और विदेशों में भी हैंडलूम से बना कपड़ा व वस्तुएं निर्यात हो रही है। जिससे विदेशों में भी इस नगर को हैंडलूम नगर कह कर पुकारा जाता है। इस उद्योग के साथ लाख लोगों की रोजी रोटी जुड़ी हुई है।

प्रश्नः-सूत के दामों में हुई वृद्धि से इस उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ा है?

शर्माः-हां, प्रभाव तो अवश्य पड़ा है पिछले १० दिनों के भीतर सूत व अन्य कच्चे माल

पानीपत हैंडलूम एवं पावरलूम संघ (रजि.) के संयुक्त सचिव सुरेश दत्त शर्मा से बातचीत करते हुए जनसंदेश के संवाददाता विनोद पांचाल

के दामों में ३० से ४० प्रतिशत की तेजी के कारण उद्योग बंद होरहे है और बुनकर बेरोजगार हो रहे है। हम जो वस्तु बना रहे है। वह महंगी होने के कारण कम बिक रही है क्योंकि आज हिंदुस्तान के कारण कम बिक रही है क्योंकि आज हिंदुस्तान की कई करोड़ आबादी के पास रोटी हा नहीं है तो वह पर्दे व चादर कहां से खरीद सकता है एक तो पहले ही माल के आर्डर कम है ऊपर से जो आर्डर आ रहे थे वह भी सूत की कमरतोड़ मंहगाई के कारण बंद हो गये है।

प्रश्नः-इस उद्योग को बचाने के लिये आप क्या कर रहे है?

शर्माः-इस उद्योग को संकट से बचाने के लिये गत तीन अगस्त को हड़ताल की गयी जिससे सरकार सूत के दाम घटाकर इस धन्धे में लगे लोगों की रोजी रोटी बचा सके।

प्रश्नः-हैंडलूम उद्योग के प्रति सरकार की

Dharam Pal Dikshit
M.A. (Pol. Sc. & Eng.), Ph. D.,
PRINCIPAL
GANDHI ADARSH COLLEGE
SAMALKHA-132101
Distt. Panipat (Haryana)

Phone : O-82206
: R-82966

Ref. No. GAC/ZYP/ 546

Dated Dec. 1997

My dear Suresh Dutt,

I am taking liberty to address your goodself by your first name in the belief that it will be well taken by you. Blessed are the parents who give birth to a promosing & brilliant child like you. Doubly blessed is your grand-father late Pandit Chandgi Ram Jee whose fame you are spreading by your noble deeds & hard work. I should be failing in my duty if I did not record that you are one of those who acquire their status by dint of hard work, sincerity & devotion. We wish & pray for your bright future, fine health & a very long life. We also acknowledge gratefully your donation of Rs. 21,000/- and your announcement to pay for the education of five students at the rate of Rs.1200/- per head per annum. This gesture symbolises your interest in in education, especially of those who can not afford to pay for higher education. Most heartening was your observation that work & development are your hobby. Please do remember us in future.

With regards,

Yours sincerely,

(D.P.DIKSHIT)

08/XII/97

A letter from my college Principal, after 17 years